SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

समकालीन भारत - 2

अध्याय - 3

जल संसाधन

भाग - 1

पंकज वैष्णव

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत -2

कक्षा 10 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

विषय-सूची

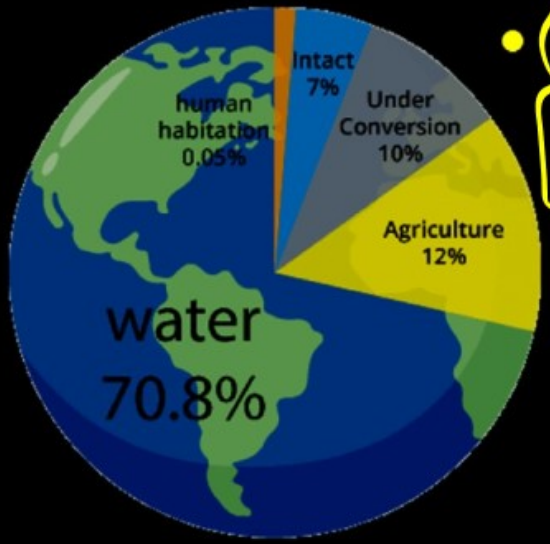
	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
1.	संसाधन एवं विकास	1
2.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	13
3.	जल संसाधन	19
4.	कृषि	30
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	42
6.	विनिर्माण उद्योग	58
7.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	72
	परिशिष्ट–क	86
	परिशिष्ट–ख	87
	शब्दावली	88

© NCERT not to be republished

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन

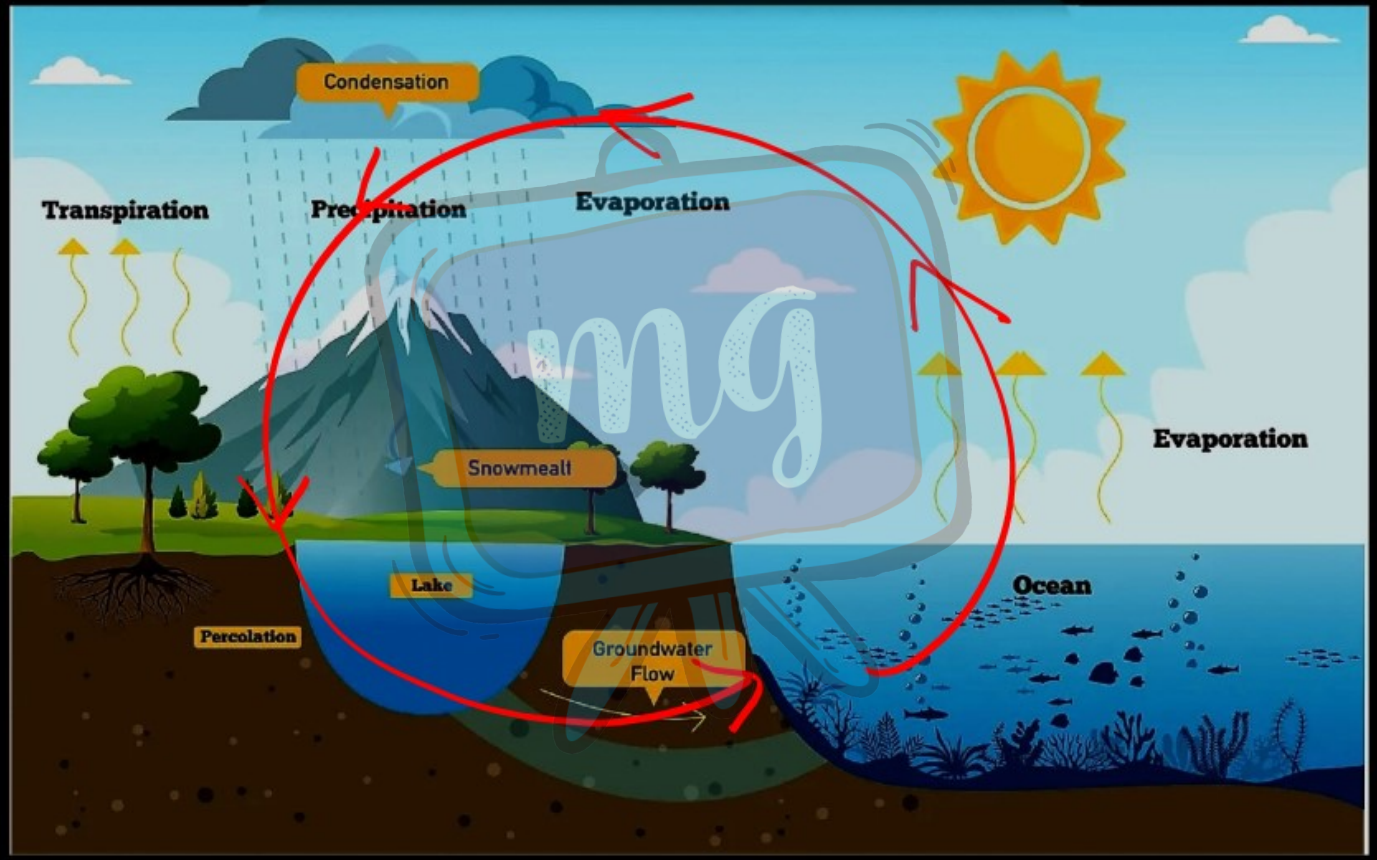


- तीन-चौथाई धरातल जल से ढका हुआ है, परंतु प्रयोग में लाने योग्य अलवणीय-जल का अनुपात बहुत कम है। (71% 29%)
  अलवणीय-जल हमें सतही-अपवाह और भौमजल स्रोत से प्राप्त होता है, जिनका लगातार नवीकरण और पुनर्भरण जलीय चक्र द्वारा होता रहता है।

- सारा जल जलीय-चक्र में गतिशील रहता है जिससे जल नवीकरण सुनिश्चित होता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

जल संसाधन



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन



जल दुर्लभता और जल संरक्षण-प्रबंधन की आवश्यकता

- जल के विशाल भंडार और इसके नवीकरण होते हुए भी हमें जल दुर्लभता का सामना करना पड़ सकता है।
- जैसे ही हम जल की कमी की बात करते हैं तो हमें तत्काल ही कम वर्षा वाले क्षेत्रों या सूखाग्रस्त इलाकों का ध्यान आता है।
- हमारे मानस पटल पर तुरंत राजस्थान के मरुस्थल और जल से भरे मटके संतुलित करती हुई और जल भरने के लिए लंबा रास्ता तय करती पनिहारिनों के चित्र चित्रित हो जाते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन



जल की कमी/ जल दुर्लभता के प्रमुख कारण

- अतिशोषण और अत्यधिक प्रयोग
- समाज के विभिन्न वर्गों में जल का असमान वितरण
- अत्यधिक जनसंख्या /बढ़ती जनसंख्या → जल की बढ़ती माँग
- असमान वितरण (वर्षा में वार्षिक और मौसमी परिवर्तन के कारण)
- जल की खराब गुणवत्ता
- शहरों में जल संसाधनों का अति शोषण

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

जल संसाधन

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल का सबसे ज्यादा उपयोग सिंचित-कृषि में होता है।

क्यों ?

अधिक जनसंख्या → अधिक अनाज उगाना → अधिक जल

अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए जल संसाधनों का अतिशोषण करके सिंचित क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है और शुष्क ऋतु में भी खेती की जा सकती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन



बहुत से किसानों के खेतों पर अपने निजी कुएँ और नलकूप हैं जिनसे सिंचाई करके वे उत्पादन बढ़ा रहे हैं।

प्रभाव

इसके कारण भौम जलस्तर नीचे गिर सकता है

लोगों के लिए जल की उपलब्धता में कमी हो सकती है।

भोजन सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

2023

हल

शुष्क-कृषि तकनीकों का विकास

सूखा-प्रतिरोधी फसलों का विकास

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन

स्वतंत्रता के बाद भारत में तेजी से औद्योगीकरण और शहरीकरण हुआ (1947)

उद्योगों की बढ़ती हुई संख्या → अलवणीय जल संसाधनों पर दबाव (नमक)

उद्योगों को ऊर्जा की भी आवश्यकता होती है और इसकी काफी हद तक पूर्ति जल विद्युत से होती है। (बिजली)

(वर्तमान में भारत में कुल विद्युत का लगभग 22% भाग जल विद्युत से प्राप्त होता है)

शहरों की बढ़ती संख्या, बढ़ती जनसंख्या तथा शहरी जीवन शैली के कारण जल एवं ऊर्जा की आवश्यकता में बढ़ोतरी हुई है जिससे समस्याएँ और भी गहरी हुई हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

जल संसाधन

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



जल प्रदूषण

- घरेलू अपशिष्ट
- औद्योगिक अपशिष्ट
- कृषि में प्रयुक्त उर्वरक एवं कीटनाशक
- अन्य रसायन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल संसाधन

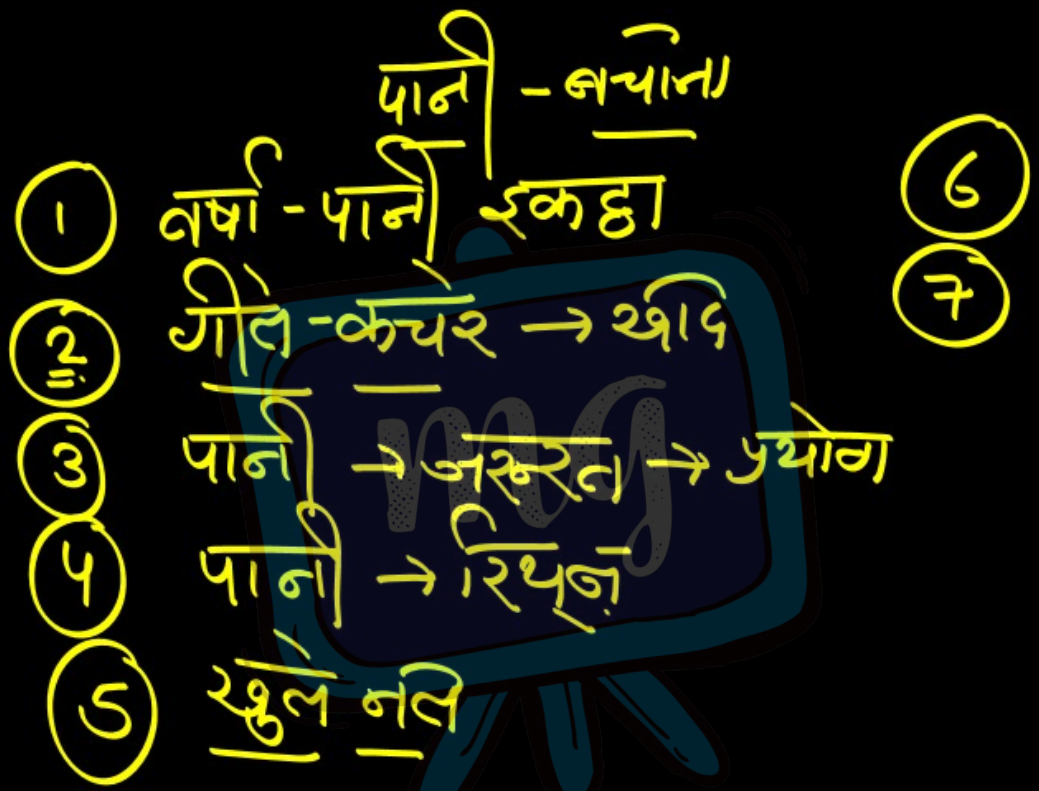
जल जीवन मिशन (J.J.M.)

- भारत सरकार द्वारा
- ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और उनके जीवनयापन को आसान बनाने के लिए
- प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित रूप से प्रति व्यक्ति 55 लीटर पीने- योग्य पानी की आपूर्ति



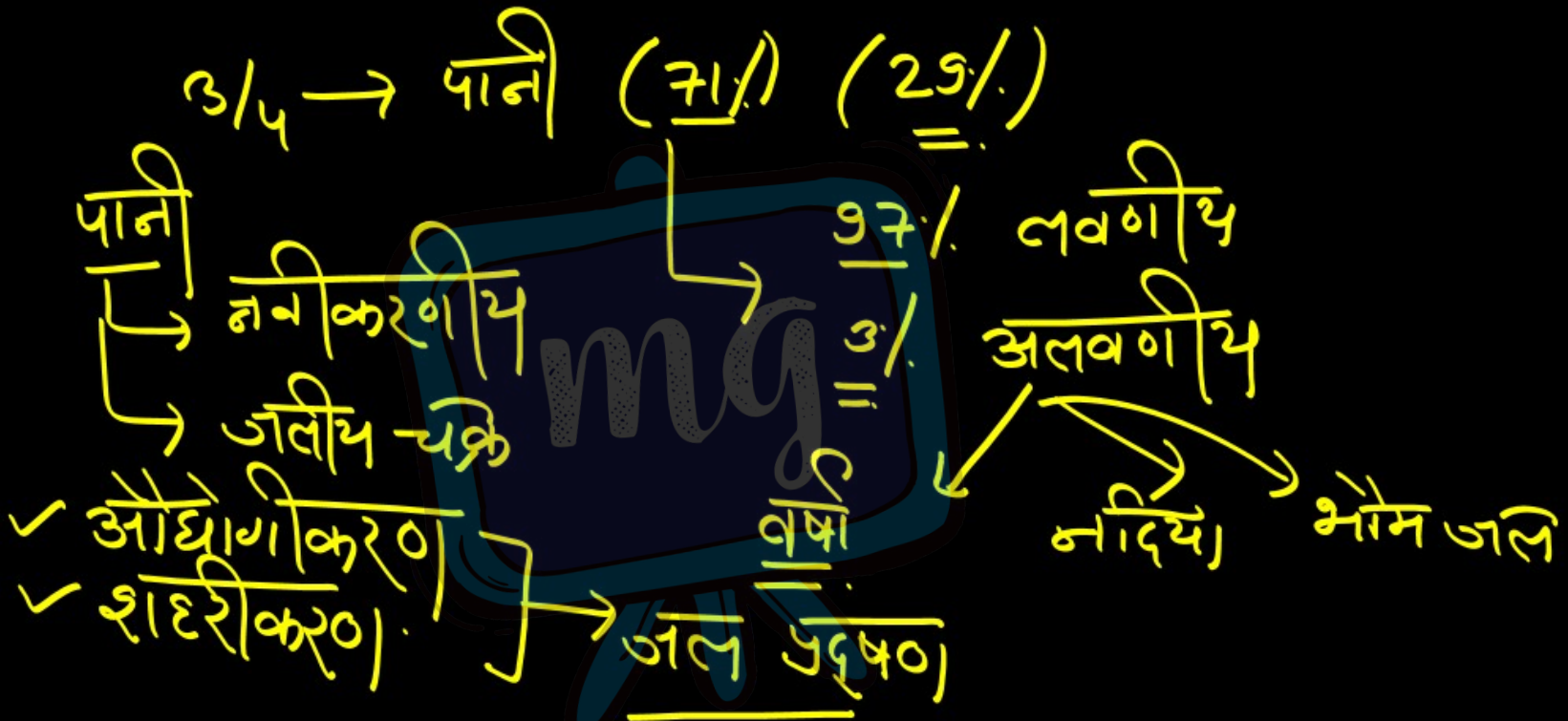
SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वपोषी	विषमपोषी
→ भोजन स्वयं	→ दूसरो पर निर्भर
→ प्रकाश संश्लेषण	→ प्रकाश संश्लेषण ✗
→ क्लोरोफिल, सूर्य प्रकाश	→ ✗
→ हरे पादप, कुछ जीवाणु	→ जन्तु, कवक